डॉ० अनुजा कुमारी
(इतिहास विभाग)
एस० एन० एस० आर० के० एस कॉलेज
सहरसा

Scanned By Scanner Go

है कि जिस प्रर समय चार्ल्स द्वितीय इंगलैंड की गद्दी पर बैठा था तो कावक्त पार्लिया मेण्ट ने इंगलैंड की स्थाई सेना को भंग कर दिया स्थाई सेना के भंग करने के फलस्वरूप इंगलैंड की परराष्ट्र निति बिल्कुल प्रवाहित नही हुई। लेकिन वे देशिक निति का प्रभावित बिल्कुल होना तो निश्चित था। क्यों कि अस्थाई सेना को भंग करने से खास कर विदेशी क्षेत्र में इंगलैंड अपने आप को पंगु महशुस करने लगा। दुसरी बात यह है कि सेना किसी भी राष्ट्र के लिए रीड की हड्डी की समान होता है। यदि कोई व्यक्ति के रीड की ~~हड्डी~~ हड्डी टुट जाय तो उसका शरीर धीरे-धीरे नाकाम सा हो जायगा। और चार्ल्स द्वितीय की सही स्थिति हो गई थी। नतीजा यह हुआ कि कोई भी देश जब इस पर प्रहार करते थे। सैनिकों के अभाव में यह अत्याचार एवं अव्यवस्था हो जाता। अतः हम कह सकते है। कि धीरे-धीरे इंगलैंड भी सैनिक स्थिति कमजोर होती चली गयी जिससे हर मोड़ पर चार्ल्स द्वितीय को विदेशों में पराजित होने का एक महत्वपूर्ण कारण सैनिक शक्ति का अभाव था।

) फ्रांस से मित्रता:- चार्ल्स द्वितीय के नसों में फ्रांससीसी माँ का खुन दौ

Scanned By Scanner Go

रहा था ऐसी स्थिति में वह चाह कर भी फ्रांस को नही भुला सका था दुसरी बात तो यह भी है। कि फ्रांस का शास लुई चौदहवाँ चार्ल्स का भाई था। इसलिए चार्ल्स का झुकाव बराबर फ्र की ओर रहा इतना ही नही बल्कि उसने फ्रांस से यह संबंध प्रकार रखने के लिए ~~बाद में~~ दि गई ब में चलकर अपनी शादी लुई चौदह से कर दी गई। ऐसी स्थिति में चार्ल्स द्वितीय लुई चौद्दहवाँ से काफी करीब होता चला गया। और इंग की इज्जत प्रतिष्ठा को ताक पर रख कर लुई चौद्दहवाँ के चक्कर फस गया। ऐसी स्थिति में विदेशी चार्ल्स का पतन होना निश्चित स हो गया क्यों कि उसे ईंगलैंड की चिन्ता तनिक भी नही रहता था बल्कि वह हर क्षन हर पल फ्रांस के बारे में सोचता था।

(iii) पुर्तगाल से मित्रता :- जिस समय चार्ल ईंगलैंड का राजा था उस समय पुर्त धन - धान्य से पूर्ण देश था। इसीलि सभी देश वाले वैदेशिक निति के तह पुर्तगाल से दोस्ती करना चाहता था क्यों कि उस समय पुर्तगाल के पास कई उपनिवेश थे। साथ ही पुर्तगाल युरोप का एक सम्पन्न देश माना ज

Scanned By Scanner Go